



Mr. Rajesh Kumar

10 Nov 1968

10:45 PM

Meerut

Model: Web-LalKitabRatna

Order No: 120534301

लालकिताब जन्मपत्रिका

लाल किताब की इस जन्मपत्रिका में जन्मकुण्डली, दशा, ग्रह स्पष्ट, लाल किताब कुण्डली व वर्ष कुण्डली के साथ यह भी बताया गया है कि आपका एवं परिवार का स्वास्थ्य कैसा रहेगा एवं उनका आपके प्रति व्यवहार कैसा रहेगा। इसमें रत्न कौन सा धारण करें व अन्य उपायों के साथ ग्रह फल, दशा फल व वर्षफल आदि भी दिए गए हैं। प्रयत्न किया गया है कि जातक को जिस प्रकार की जानकारी प्राप्त करने की अभिलाषा रहती है वह पूरी तरह दी जा सके।

लालकिताब जन्मपत्रिका को ध्यान से पढ़ने पर आपको यह मालूम होगा कि आपके साथ क्या घटना घटित हो रही है। ग्रहों के आधार पर यह भी बताया गया है कि अमुक जातक को पूजा-पाठ करना चाहिए या नहीं। वर्षफल में जिन सावधानियों को बरतने के लिये कहा गया है, उन सावधानियों के प्रति आजीवन सतर्क रहें। जो बातें आपके लिये शुभ लिखी गयी है, उनको अपने जीवन में अवश्य अपनाएं एवं जिन बातों को आपके लिये अशुभ लिखा गया है उन बातों को निश्चय कर हमेशा के लिये त्याग दें।

इस लालकिताब में व्यवसाय, कारोबार, नौकरी आदि के बारे में भी बतलाया गया है। इनसे संबंधित आपके लिये क्या लाभदायक रहेगा और क्या हानिकारक रहेगा इसकी विशेष जानकारी दी गयी है। जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए लालकिताब के उपाय जिस समय तथा जिन आयु में करने के लिए कहे गये हैं उन्हीं आयु में ही करें।

लालकिताब में जीवन में आने वाली कठिनाईयों का समय भी दर्शाया गया है। जीवन में कब कहां और जीवन के किस मोड़ पर कौन सी परेशानी आ सकती है यह तो बताया ही गया है साथ ही इनसे बचने के उपाय भी बताये हैं। यदि आपका समय अच्छा चल रहा है और आप अपने लिए दिये गये उपाय कर रहे हैं तो आपके भाग्य का फल कई गुना बढ़ जायेगा और यदि प्रतिकूल समय में आप यह उपाय कर रहे हैं तो आपका बुरा समय धीरे-धीरे नष्ट हो जायेगा एवं सफलता आपके कदमों को चूमेगी।

सभी जातकों से अनुरोध है कि इस लालकिताब जन्मपत्रिका को अपने जीवन में केवल मार्गदर्शक के रूप में ही उपयोग करें व इसके अक्षराक्षर पर निर्भर न रहें। इस पत्रिका में हमने अनेक शास्त्रों की सहायता लेकर आपके लिए फलादेश दिए हैं लेकिन विभिन्न कारणवश इसकी कोई गारंटी नहीं ली जा सकती कि यह पूर्ण रूपेण सत्य ही हो। अतः जातक इस पत्रिका पर आधारित निर्णय के लिए स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 10/11/1968
दिन _____: रविवार
जन्म समय _____: 22:45:00 घंटे
इष्ट _____: 40:15:52 घटी
स्थान _____: Meerut
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 29:00:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 22:25:48 घंटे
वेलान्तर _____: 00:16:05 घंटे
साम्पातिक काल _____: 01:45:30 घंटे
सूर्योदय _____: 06:38:39 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:27:29 घंटे
दिनमान _____: 10:48:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: हेमन्त
सूर्य के अंश _____: 24:57:33 तुला
लग्न के अंश _____: 11:36:38 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी _____: मिथुन - बुध
नक्षत्र-चरण _____: पुनर्वसु - 2
नक्षत्र स्वामी _____: गुरु
योग _____: साध्य
करण _____: गर
गण _____: देव
योनि _____: मार्जार
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: शूद्र
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मार्जार
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: वायु
जन्म नामाक्षर _____: को-कोमल
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: वृश्चिक

पंचांग

दादा का नाम _____ :
 पिता का नाम _____ :
 माता का नाम _____ :
 जाति _____ :
 गोत्र _____ :

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1890	कार्तिक	19
पंजाबी	संवत : 2025	कार्तिक	26
बंगाली	सन् : 1375	कार्तिक	25
तमिल	संवत : 2025	आइपसी	25
केरल	कोल्लम : 1144	तुलम	25
नेपाली	संवत : 2025	कार्तिक	26
चैत्रादि	संवत : 2025	मार्गशीर्ष	कृष्ण 5
कार्तिकादि	संवत : 2025	कार्तिक	कृष्ण 5

पंचांग

सूर्योदय कालीन तिथि _____ : 5
 तिथि समाप्ति काल _____ : 21:58:09
 जन्म तिथि _____ : 6
 सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____ : आर्द्रा
 नक्षत्र समाप्ति काल _____ : 12:03:35 घंटे
 जन्म योग _____ : पुनर्वसु
 सूर्योदय कालीन योग _____ : साध्य
 योग समाप्ति काल _____ : 28:24:27 घंटे
 जन्म योग _____ : साध्य
 सूर्योदय कालीन करण _____ : कौलव
 करण समाप्ति काल _____ : 08:46:58 घंटे
 जन्म करण _____ : गर
 भयात _____ : 26:43:34
 भभोग _____ : 66:49:16
 भोग्य दशा काल _____ : गुरु 9 वर्ष 7 मा 13 दि

घात चक्र

मास _____ : आषाढ़
 तिथि _____ : 2-7-12
 दिन _____ : सोमवार
 नक्षत्र _____ : स्वाति
 योग _____ : परिघ
 करण _____ : कौलव
 प्रहर _____ : 3
 वर्ग _____ : मूषक
 लग्न _____ : कर्क
 सूर्य _____ : मीन
 चन्द्र _____ : कुम्भ
 मंगल _____ : मेष
 बुध _____ : मकर
 गुरु _____ : वृष
 शुक्र _____ : मिथुन
 शनि _____ : कुम्भ
 राहु _____ : कर्क

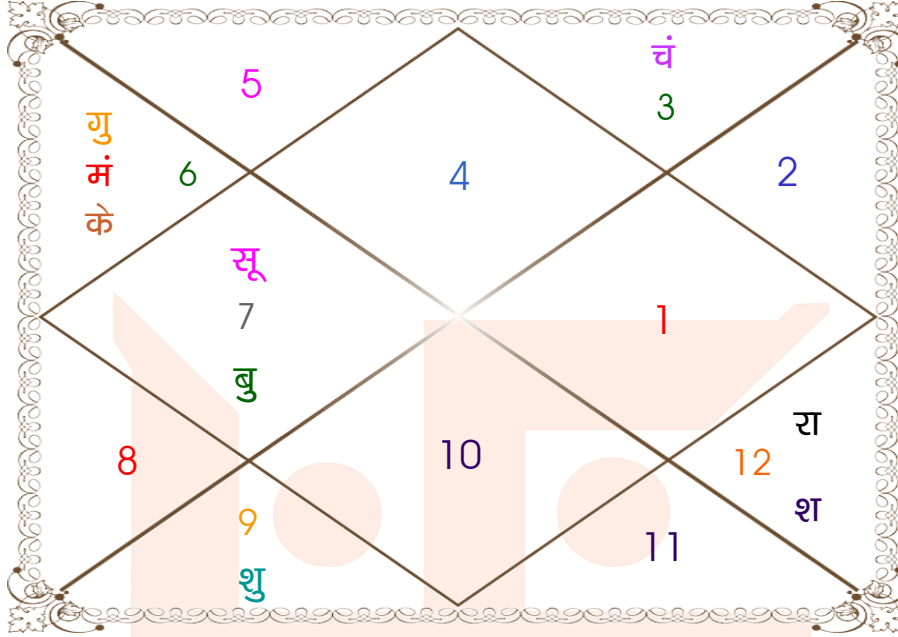


FUTUREPOINT
 Astro Solutions

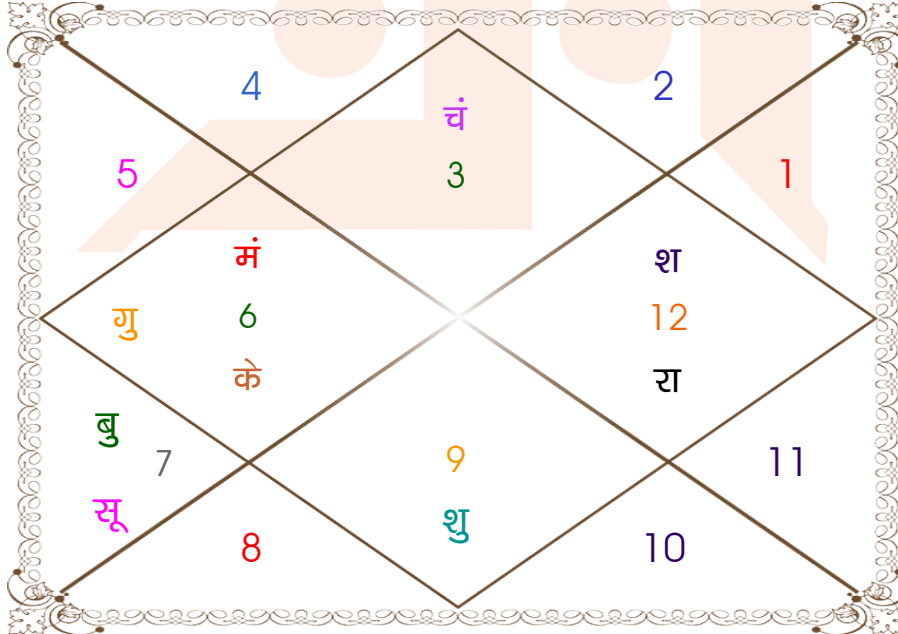


जन्म कुण्डली

लग्न कुंडली



चन्द्र कुंडली



लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुंडली

रा			चं
श			ल
शु		बु सू	के मं गु

लग्न कुंडली

		रा
चं		श
	ल	
		शु
के गु	मं सू बु	

विंशोत्तरी
गुरु 9वर्ष 7मा 13दि
गुरु

10/11/1968

26/06/2082

गुरु	26/06/1978
शनि	25/06/1997
बुध	26/06/2014
केतु	25/06/2021
शुक्र	25/06/2041
सूर्य	26/06/2047
चन्द्र	25/06/2057
मंगल	25/06/2064
राहु	26/06/2082

योगिनी
पिंगला 1वर्ष 2मा 13दि
सिद्धा

24/01/2024

24/01/2031

सिद्धा	04/06/2025
संकटा	25/12/2026
मंगला	06/03/2027
पिंगला	26/07/2027
धान्या	24/02/2028
भ्रामरी	04/12/2028
भद्रिका	24/11/2029
उल्का	24/01/2031



FUTUREPOINT
Astro Solutions



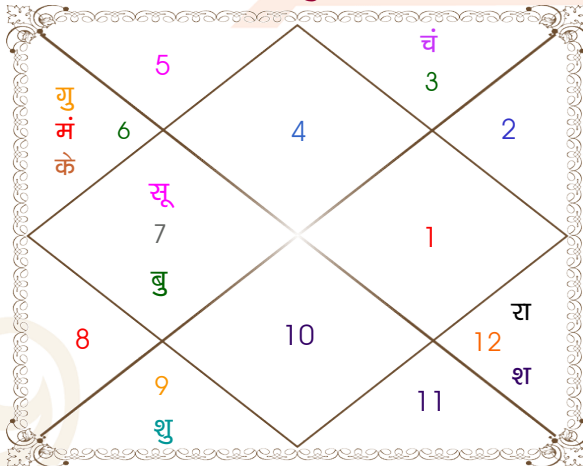
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	कर्क	11:36:38	---	--	--	--	नेक
सूर्य	तुला	24:57:33	नीच राशि	--	हाँ	--	नेक
चन्द्र	मिथुन	25:18:55	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
मंगल	कन्या	07:28:05	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा
बुध	तुला	10:00:15	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
गुरु	कन्या	05:41:22	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
शुक्र	धनु	01:30:35	सम राशि	--	हाँ	--	नेक
शनि	व मीन	26:42:02	सम राशि	--	--	--	नेक
राहु	व मीन	15:22:45	सम राशि	--	--	--	मन्दा
केतु	व कन्या	15:22:45	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा

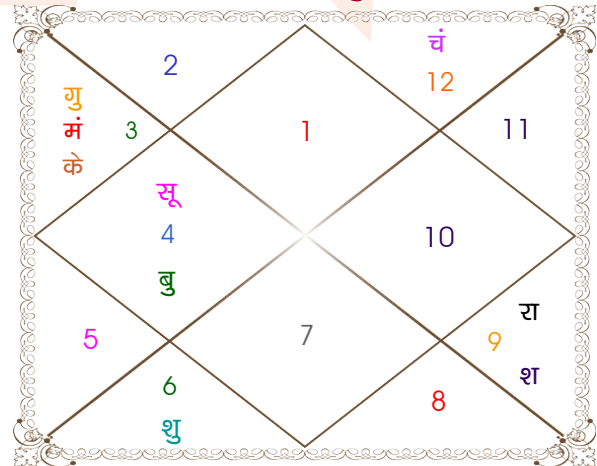
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	हाँ	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	हाँ	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	--	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हाँ	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	हाँ	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



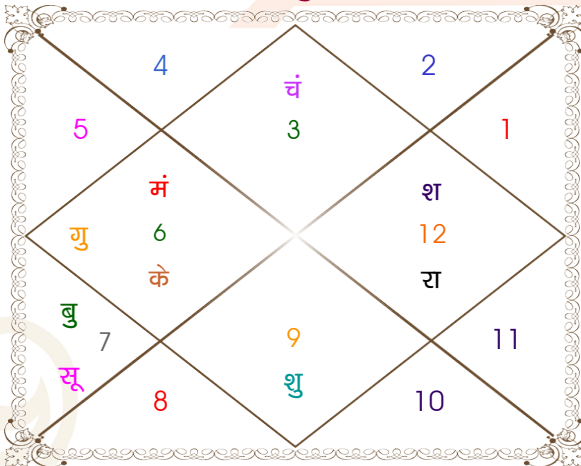
मैत्रीचक्र सारिणी

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
मंगल	मित्र	मित्र	---	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
बुध	मित्र	सम	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	---	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	मित्र
शनि	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	सम	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	---	मित्र
केतु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	---

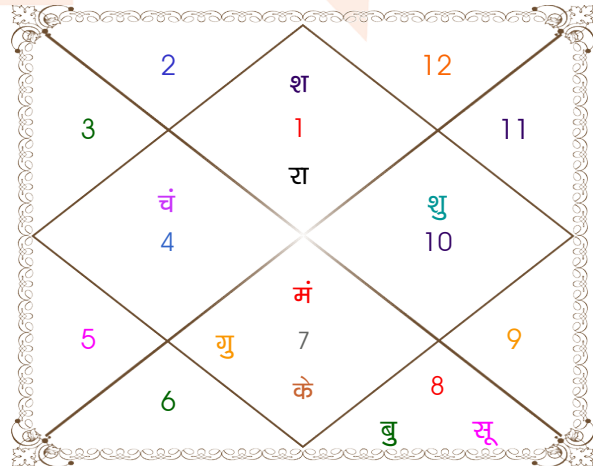
ग्रह/राशि फल

ग्रह	वर्णन	फल
सूर्य	दूसरों के लिए जोड़-जोड़ कर मरे	--
चंद्र	रात के वक्त का तूफान जिससे बस्तियां उजड़े।	--
मंगल	चिड़ियाघर का कैदी शेर।	--
बुध	राजयोग या हुनरमंद	--
गुरु	गरजता शेर या खानदानी गुरु।	--
शुक्र	लल्लू करे कव्वालियां रब्ब सिद्धियां पावे।	--
शनि	कलम विधाता मकाना मर्दा।	राशि
राहु	पागलों का सबसे बड़ा हकीम, मगर बेईमान।	--
केतु	टुन-टुन करते रहने वाला कुत्ता मगर नेक दरवेश।	--

चन्द्र कुंडली



लालकिताब चन्द्र



FUTUREPOINT
Astro Solutions



लालकिताब दशा

शनि 6 वर्ष 10/11/1968 11/11/1974	राहु 6 वर्ष 11/11/1974 10/11/1980	केतु 3 वर्ष 10/11/1980 11/11/1983	गुरु 6 वर्ष 11/11/1983 11/11/1989	सूर्य 2 वर्ष 11/11/1989 11/11/1991
राहु 11/11/1970 बुध 10/11/1972 शनि 11/11/1974	मंगल 10/11/1976 केतु 11/11/1978 राहु 10/11/1980	शनि 11/11/1981 राहु 11/11/1982 केतु 11/11/1983	केतु 11/11/1985 गुरु 11/11/1987 सूर्य 11/11/1989	सूर्य 12/07/1990 चंद्र 13/03/1991 मंगल 11/11/1991
चंद्र 1 वर्ष 11/11/1991 10/11/1992	शुक्र 3 वर्ष 10/11/1992 11/11/1995	मंगल 6 वर्ष 11/11/1995 11/11/2001	बुध 2 वर्ष 11/11/2001 11/11/2003	शनि 6 वर्ष 11/11/2003 11/11/2009
गुरु 12/03/1992 सूर्य 12/07/1992 चंद्र 10/11/1992	मंगल 11/11/1993 शुक्र 11/11/1994 बुध 11/11/1995	मंगल 11/11/1997 शनि 11/11/1999 शुक्र 11/11/2001	चंद्र 12/07/2002 मंगल 13/03/2003 गुरु 11/11/2003	राहु 11/11/2005 बुध 11/11/2007 शनि 11/11/2009
राहु 6 वर्ष 11/11/2009 11/11/2015	केतु 3 वर्ष 11/11/2015 11/11/2018	गुरु 6 वर्ष 11/11/2018 10/11/2024	सूर्य 2 वर्ष 10/11/2024 11/11/2026	चंद्र 1 वर्ष 11/11/2026 11/11/2027
मंगल 11/11/2011 केतु 11/11/2013 राहु 11/11/2015	शनि 10/11/2016 राहु 11/11/2017 केतु 11/11/2018	केतु 10/11/2020 गुरु 11/11/2022 सूर्य 10/11/2024	सूर्य 12/07/2025 चंद्र 12/03/2026 मंगल 11/11/2026	गुरु 13/03/2027 सूर्य 12/07/2027 चंद्र 11/11/2027
शुक्र 3 वर्ष 11/11/2027 11/11/2030	मंगल 6 वर्ष 11/11/2030 10/11/2036	बुध 2 वर्ष 10/11/2036 11/11/2038	शनि 6 वर्ष 11/11/2038 10/11/2044	राहु 6 वर्ष 10/11/2044 11/11/2050
मंगल 10/11/2028 शुक्र 11/11/2029 बुध 11/11/2030	मंगल 10/11/2032 शनि 11/11/2034 शुक्र 10/11/2036	चंद्र 12/07/2037 मंगल 12/03/2038 गुरु 11/11/2038	राहु 10/11/2040 बुध 11/11/2042 शनि 10/11/2044	मंगल 11/11/2046 केतु 10/11/2048 राहु 11/11/2050
केतु 3 वर्ष 11/11/2050 11/11/2053	गुरु 6 वर्ष 11/11/2053 11/11/2059	सूर्य 2 वर्ष 11/11/2059 11/11/2061	चंद्र 1 वर्ष 11/11/2061 11/11/2062	शुक्र 3 वर्ष 11/11/2062 11/11/2065
शनि 11/11/2051 राहु 10/11/2052 केतु 11/11/2053	केतु 11/11/2055 गुरु 11/11/2057 सूर्य 11/11/2059	सूर्य 12/07/2060 चंद्र 12/03/2061 मंगल 11/11/2061	गुरु 12/03/2062 सूर्य 12/07/2062 चंद्र 11/11/2062	मंगल 11/11/2063 शुक्र 10/11/2064 बुध 11/11/2065
मंगल 6 वर्ष 11/11/2065 11/11/2071	बुध 2 वर्ष 11/11/2071 11/11/2073	बुध 2 वर्ष 11/11/2071 11/11/2073	बुध 2 वर्ष 11/11/2071 11/11/2073	बुध 2 वर्ष 11/11/2071 11/11/2073
मंगल 11/11/2067 शनि 11/11/2069 शुक्र 11/11/2071	चंद्र 12/07/2072 मंगल 12/03/2073 गुरु 11/11/2073	चंद्र 12/07/2072 मंगल 12/03/2073 गुरु 11/11/2073	चंद्र 12/07/2072 मंगल 12/03/2073 गुरु 11/11/2073	चंद्र 12/07/2072 मंगल 12/03/2073 गुरु 11/11/2073

नोट : 35 साला लाल किताब दशा लगभग तीन चक्र के लिए दी गई है।
उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

टेवे की श्रेणी

रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6वें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी धर्मी टेवा नहीं है।

नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग

देवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग देवा उसको कहते हैं जबकि देवा 1, 4, 7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का देवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग देवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी नाबालिग ग्रहों का देवा नहीं है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक



FUTUREPOINT
Astro Solutions



के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम

ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृ ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पितृ ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से मुक्त है।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालों की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानियां :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के चौथे खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप धन एकत्र करते रहेंगे। उस धन का लाभ दूसरे को मिलेगा मगर आपकी संतान करोड़पति होगी। आप नये अविष्कार से लाभ प्राप्त करेंगे। नये कार्यों में सफलता मिलेगी। आप अपना पैतृक कार्य छोड़ कर नया काम करेंगे तो खूब लाभ होगा। आप विदेश में निवास करेंगे। पिता के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे। पैतृक संपत्ति का लाभ मिलेगा। आप घर में हैंडपंप, कुंआ आदि लगावएं तो शुभ फल होगा और आपके मन में शांति रहेगी। आप 25 से 50 वर्ष की आयु तक खूब लाभ कमाएंगे। आप कपड़े, पानी और दूध के व्यवसाय से खूब लाभ प्राप्त करेंगे। आपको कपड़े के व्यवसाय से अधिक लाभ मिलेगा। आप काफी धन संग्रह कर सकेंगे। आप फलों वाले पेड़-पौधे लगाएं। आपका भाग्य अच्छा है। आप अपने काम रात में करें तो अधिक लाभ होगा। आपके घर पर कोई मुसीबत नहीं आएगी। सरकारी विभाग या समुद्र की यात्रा से लाभ मिलेगा, वाहनों से संबंधित कामों में लाभ होगा। पत्नी से लाभ होगा या पत्नी की नौकरी में तरक्की होगी।

यदि आपको चोरी की आदत होगी, दूसरे लोगों के बनते काम बिगाड़े, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखें या किसी स्त्री से बदतमीजी की तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से औलाद पर बुरा असर पड़ेगा। माता एवं बहन के सुख में हानि हो सकती है। समस्या न होने पर भी आप उदास रहेंगे। माता का मन अशांत एवं स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा। जीवन में कई कठिनाइयां आ सकती हैं। अगर आप दूसरों के बने बनाये काम बिगाड़ेंगे तो रक्तचाप का भय और आपके कार्यों में रुकावटें पैदा होंगी और माता-पिता का सुख कम हो जायेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चोरी की आदत से बचें।
2. स्त्रियों के झगड़े में न पड़ें।

उपाय :

1. अंधों को भोजन दें।
2. शरीर पर शुद्ध सोना पहनें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा बारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपके मन की बहुत बातें पूरी नहीं हो सकती हैं या तरस-तरस कर सभी काम बनेंगे। आपकी पढ़ाई-लिखाई बहुत अच्छी होगी और आप बहुत होशियार रहेंगे। एक बात पर कायम नहीं रहेंगे या आपको बात करते-करते बात बदलने की आदत होगी। आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़

नहीं रहेगी। पढ़ाई-लिखाई का उपयोग आपके जीवन में कम होगा। वर्तमान समय अच्छा गुजरता रहेगा। भविष्य की बातें स्वप्न में देखेंगे। लोग आप पर विश्वास करके अपना भेद भी बता देंगे। आप उनकी बातों को गुप्त रखेंगे। आपके आश्वासन से लोगों को राहत मिलेगी। आप अपने पूर्वजों के हालात बढ़ा-चढ़ा कर बताएंगे। अपनी कमाई का धन जमा रहेगा। 48 वर्ष आयु के बाद बहुत सुखी रहेंगे।

यदि आपने घर में हैंड पंप या पानी का साधन छत के नीचे रख, नीम का वृक्ष काटा, चाल-चलन ठीक न रखा, बुजुर्गों के काम को नष्ट किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आप बीते समय को याद करके अपना समय खराब करेंगे। जीवन में ऐसे काम भी हो सकते हैं जो अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसे होंगे। जमीन-जायदाद आदि का कोर्ट में झगड़ा होगा, फैसला बहुत देर बाद होगा और आपके हक में होगा। आपकी संतान निकम्मी हो सकती है। आपकी पैतृक संपत्ति नष्ट हो सकती है और आप मुसीबत पर मुसीबत उठायेंगे। खुशी के बाद की घटना खुशी को समाप्त कर देगी। आपकी आंखों पर बुरा असर पड़ सकता है। दिमागी परेशानियों के कारण नींद हराम हो सकती है। मातृ सुख का अभाव हो सकता है। आपको पानी से भय है आप अपनी और ससुराल की संपत्ति पर भारी पड़ेंगे। धन का नाश कर देंगे। आपके जीवन में दुःख का कारण परस्त्री हो सकती है। इस मामले में आप दुर्बल हैं। आप आलसी, धनहीन एवं अस्वस्थ रहेंगे आपको हर प्रसन्नता के बाद कोई न कोई दुःख भोगना पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. छत के नीचे हैंड पंप आदि न लगायें।
2. बीता हुआ समय याद न करें।

उपाय :

1. नीम के वृक्ष का पानी घर पर रखें।
2. 16 लीटर वर्षा के पानी में चांदी के चार चौरस टुकड़े को डाल कर रखें।
3. आसमानी बर्फ (ओले) शीशे के बर्तन में रखें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली के तीसरे खाने में मंगल पड़ा है। इसकी वजह से लाल किताब के अनुसार मंगल तीसरे खाने में हो तो व्यक्ति मांगलिक होता है। अतः आप मंगलीक पुरुष हैं। इस वजह से आप अपने लिए ख्याली पुलाव पकाएंगे और सब्ज बाग देखेंगे। दूसरों की सहायता करेंगे, नर्म स्वभाव रहेंगे। चक्रव्यूह भेदन की कला में चतुर होंगे। आपको ससुराल पक्ष से सहायता मिलेगी। आपको परिवार से अच्छा सहयोग प्राप्त होगा। आप अपनी शारीरिक और मानसिक योग्यता के द्वारा जाने जायेंगे तथा आपको योग्यता प्रदर्शन करने का अच्छा मौका मिलेगा। आपको भाई-बहन का सुख मिलेगा। आपके दोस्त हमेशा मदद करेंगे। आपका विवाह

अच्छे घर में होगा। माता-पिता का पूरा सुख मिलेगा।

यदि आपने परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे, अकड़ा हुआ मिजाज रखा अधिक गुस्सा करने की आदत रखी, मांस-मदिरा के सेवन करने की आदत हुई, अय्याशी की तरफ आपका झुकाव रहा तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आप अपने जीवन में चालबाजी और धोखेबाजी से काम निकालेंगे और आप बेकार की फोकी उम्मीदें भी रखेंगे। आपकी बर्बादी का कारण आपकी अय्याशी हो सकती है। आप पर कर्ज का बोझ भी चढ़ सकता है। आपके घर में अचानक किसी की मौत भी हो सकती है। आपकी संतान की हालत मंदी हो सकती है। आपकी पत्नी को मृत बच्चा पैदा हो या गर्भपात भी हो सकता है। घर में चोरी और नुकसान से होशियार रहें। आपके चाचा या भाई औलाद से दुःखी हो सकते हैं। आपके भाई-बन्धु, मित्र आपके विनाश का कारण बनेंगे। लड़ाई-झगड़े से दूर रहें। लड़ाई-झगड़ा आपकी मौत का कारण बन सकता है। आपकी नेकी कोई भी याद नहीं रखेगा। खून खराब या पेट में रोग हो ऐसी आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. हाथी दांत न रखें।
2. दक्षिण दिशा के मुख्य द्वार वाले घर में रिहाईश न करें।

उपाय :

1. चांदी की बेजोड़ अंगूठी बायें हाथ में पहनें।
2. चांदी के बेजोड़ कड़े में तांबे की कील लगा कर दायें हाथ में पहनें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली में बुध चौथे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से सुख प्राप्त होगा। सरकार द्वारा मान-सम्मान भी प्राप्त होगा। राजसुख प्राप्त होगा। आप लेखक संपादक या एक कुशल व्यवसायी भी होंगे। आप अपने जन्म स्थान के आस-पास ही नौकरी-व्यापार करेंगे। आप भाग्यवान हैं। आपके परिवार, दौलत तथा आपकी उम्र तीनों पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। राजयोग के प्रभाव से आप सरकारी नौकरी में रहेंगे या सरकार से लाभ प्राप्त करेंगे। जीवन व्यस्त परंतु पूर्ण सुखी रहेगा। सुख के सभी साधन उपलब्ध होंगे। निजी भवन और वाहन की प्राप्ति के योग हैं। आप हुनरमंद और कलाकार होंगे। जीवन में बुद्धिमत्ता से काम लेना पड़ेगा। विदेश की यात्रा या आयात-निर्यात के कामों से अधिक लाभ होगा। बुआ-मौसी से लाभ होगा।

यदि आपने विधवा या अविवाहिता स्त्री से संबंध रखा, लड़की, बुआ, बहन-साली के धन का उपयोग किया, माता का विरोध किया या कष्ट दिया तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से सब प्रकार से आपको मां का प्यार कम मिलेगा। माता के लिए अरिष्ट सूचक योग है। यदा-कदा आपका मनोबल क्षीण हो जाया करेगा। परंतु आपको घबराना नहीं चाहिए। आपको किसी से गलत मंत्रणा मिल सकती



FUTUREPOINT
Astro Solutions



है। पत्नी सुख, धन-दौलत और गृहस्थ सुख पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बुआ-मौसी से झगड़ा न करें।
2. विधवा या अविवाहित स्त्री से संबंध न रखें।

उपाय :

1. तांबे का पैसा सफेद धागे में डाल कर गले में धारण करें।
2. केसर का तिलक करें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में तीसरे खाने में वृहस्पति पड़ा है। जिसकी वजह से आप जिस पर मेहरबान होंगे तो उसे बड़ा लाभ होगा। आप नौकरी-व्यापार से आजीविका चलाएंगे। 40 वर्ष की उम्र तक गृहस्थ जीवन में पूर्ण योगदान करेंगे। आप न्यायप्रिय होंगे। भाई से भी सुख प्राप्त होने की संभावना है। परंतु आप स्वयं बुद्धिमान होंगे। आपको अपने भाई-बहन की सहायता करने से लाभ मिलेगा और उनसे संबंध अच्छे रहेंगे। 26 वर्ष की उम्र में आपकी दौलत बढ़ने लगेगी। आपकी औलाद के जन्म के बाद आपका भाग्योदय होगा। आप अपने जीवन में लगातार उन्नति करते रहेंगे। समाज में अच्छी प्रतिष्ठा मिलेगी। आप अपने भाई के मददगार होंगे। आपका घर-वार नेक होगा। आपका जीवन खुशहाल रहेगा। आपकी पत्नी आपके जीवन में सहायता करेगी। आपके द्वारा बुजुर्गों की सेवा से धन-दौलत में वृद्धि होगी। आप धार्मिक स्वभाव के होंगे। आप अपने भाग्य पर सब्र करने वाले होंगे, अपनी किस्मत पर संतुष्ट रहेंगे। आप बुढ़ापे में आराम पाएंगे। आप बहादुर होंगे। आप आंखों की होशियारी से ही दूसरों को भांप लेंगे।

यदि आपके घर में कटा या सूखा पीपल का पेड़, धर्म मंदिर है उसकी सेवा नहीं करते, बुरे तरीकों से धन कमाया या मित्र मार की तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से 31वें वर्ष में बीमारी की आशंका है। आप अपने मित्रों के साथ धोखाधड़ी करके या लूट कर धनवान बनेंगे। आपकी बेमतलब की बकवास/गप्पबाजी आपके आने वाले समय को खराब कर देगी। जिस पर आप बिगड़ जाएं उसका सब कुछ नष्ट कर देंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. सूखा पीपल घर में नहीं रहे।
2. घर में मंदिर बंद न रखें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



उपाय :

1. दुर्गा पाठ या कन्याओं की सेवा करें।
2. केसर/हल्दी का तिलक करें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र छटे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप बहुत धन कमा पाएंगे। आप अपनी कामवासना की पूर्ति के लिए स्त्रियों की प्रशंसा और प्रेम भी करेंगे। आपके जीवन में पुत्र की अपेक्षा अधिक कन्याओं के सुख की संभावना है। आपको अधिक संख्या में संतान के सुख प्राप्ति की संभावना है। आप स्वस्थ रहेंगे। आपकी नेत्र की शक्ति बरकरार रहेगी। आप रुचिपूर्ण भोजन पसंद करेंगे। आपको वृद्धावस्था में अधिक सुख प्राप्त होगा। आप अपनी प्राप्त शिक्षा से हट कर काम करेंगे। आपके पिता के साथ-साथ आपकी किस्मत भी अच्छी है।

यदि आपकी पुत्रियां अधिक हुई, स्त्री से झगड़ा किया या आपकी स्त्री को नंगे पैर घूमने की आदत हुई, बहन-बुआ-साली-बेटी से धन लिया तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से विद्या अध्ययन में रुकावट, पिता सुख का अभाव रहेगा। काम शक्ति में नुक्स होने की शंका है। विलंब से पुत्र का सुख मिलेगा। धन-संपत्ति की हानि भी हो सकती है। आपके सामने लड़ाई-झगड़े की भी समस्याएं पेश आती रहेंगी। लड़ाई-झगड़े से परेशान रहेंगे। आपकी बुद्धि भ्रमित रहेगी। आपके पशु की चोरी या धन-दौलत के गुम हो जाने भी संभावना है। आपका कारोबार अच्छा नहीं रहे। राज पक्ष से भी कोई समस्या पैदा होगी, ऐसी आशंका है। लोग आपको कई बार बदनाम भी कर देंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. स्त्री का अपमान न करें।
2. पत्नी को नंगे पैर न चलने दें।

उपाय :

1. पत्नी लाल दवाई से गुप्तांग धोयें।
2. ठोस चांदी घर में रखें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली में शनि नौवें खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से आप लोगों पर परोपकार करेंगे तथा इसके अच्छे लाभ भी आपको मिलेंगे। आप बड़े परिवार के सदस्य होंगे। आप भाई एवं मित्रों से सहयोग प्राप्त कर धनवान बनेंगे। आपको चलते-फिरते कामों से अधिक लाभ मिलेगा। आपको संतान का सुख होगा। परंतु संतान के सुख प्राप्ति में विलंब हो सकता है। आपकी पत्नी धनी परिवार से होगी। आपके पास प्रचुर मात्रा में धन रहेगा। आप धन के



FUTUREPOINT
Astro Solutions



विषय में लापरवाह रहेंगे। आप उदार प्रवृत्ति के, जागीरदार, सदा सुखी होंगे। माता-पिता का उत्तम सुख प्राप्त होगा। आप विद्वान होंगे। आप पर कभी भी कर्ज का बोझ नहीं पड़ेगा। आपका भाग्य अपने माता-पिता के भाग्य से अच्छा होगा। आपकी पत्नी भाग्यवान और अमीर खानदान की होगी। आप पैसे के प्रति बहुत मोह नहीं करेंगे। तीर्थ यात्रा करेंगे भाग्योन्नति होगी उससे अधिक शुभ फल प्राप्त होते रहेंगे। आप धार्मिक विचार वाले होंगे।

यदि आपने दूसरों के माल पर बुरी नजर रखी, जुआ आदि खेला, बुरे काम किये, लोहा/मशीनरी आदि के कार्य किये, घर में शीशम का पेड़ हो, जब आपके नाम 3 मकान बन जायें तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आप ब्याज का धंधा करें तो नुकसान होगा। आपके दिल में दूसरों से बदला लेने की भावना रहती है। अग्निकाण्ड की शंका है। आपको सांस या दमे की बीमारी हो सकती है। संतान सुख में विघ्न या पुत्र-पौत्र संतान की चिंता रहेगी। मंदे कामों से बदनामी भी हो सकती है। आंखों की दृष्टि खराब हो ऐसी आशंका है। अमीरों से धन लूट कर गरीबों में बांटना, ऐसी आपकी सोच रहेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. दूसरों के माल पर बदनीयत न करें।
2. घर की छत पर ईंधन-चौगाठ आदि न रखें।

उपाय :

1. माथे पर केसर का तिलक करें।
2. घर के अंत में अंधेरा कमरा बनायें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के नौवें खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से आप धर्म-कर्म पर कम विश्वास करेंगे। यदा-कदा नास्तिक जैसा व्यवहार करेंगे। आपकी मान-प्रतिष्ठा को धक्का लग सकता है। भाई-बहन के साथ अच्छा संबंध रखना शुभ और लाभकारी है। धर्म-कर्महीन होने से भाग्य संतान का अभाव रह सकता है। शनि की चीजों के व्यवसाय से लाभ होगा। संतान से अच्छा संबंध बनाए रखने से आपको लाभ होगा। संतान और धन में बरकत होगी। जादू-मंत्र जानने में रुचि रहेगी। पागलों के डाक्टर या सरसाम रोग की महारथ आपको हासिल होगी।

यदि आपने धर्म विरुद्ध कार्य किये, डाक्टर होकर लालच किया, परिवार से अलग रहना शुरु किया, आपके मकान के पास जोहड़ हुआ या मकान का गंदा पानी मुख्य द्वार की दहलीज के नीचे से निकलता रहा तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से अदालती झगड़े और संतान कष्ट की आशंका है। बुजुर्गों की सेहत पर गलत असर पड़ सकता है। आपकी पत्नी का गर्भपात भी हो सकता है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



आपके ससुर, पिता और दादा आपकी वजह से तबाह हो सकते हैं। भाई-बंधु तंग करते रहेंगे। आप पागलों का इलाज कर सकते हैं। आप साधू-फकीर के साथ रह कर फिजूल खर्ची करेंगे। आप यदि बड़े लोगों से झगड़ा करें तो स्वास्थ्य और संतान पर अशुभ प्रभाव पड़ सकता है। आपका ससुराल में साथ रहना या ज्यादा संबंध रखना हानिकारक है। आपको तीर्थ यात्रा करने में बाधा उत्पन्न होगी। कैद या बंधन में नहीं रह सकते फरार हो सकते हैं। आप दान करना भी पसंद नहीं करेंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. साधू-फकीर का साथ न रखें।
2. परस्त्री से संबंध कायम न करें।

उपाय :

1. शरीर पर शुद्ध सोना पहनें।
2. धर्म स्थान में सिर झुकावें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली के तीसरे खाने में केतु पड़ा है। इसकी वजह से आप दूसरों का हिस्सा मांगने वाले होंगे, आपको यात्रा से लाभ होगा। नेकी को याद रखना और बदी को भूल जाना आपकी आदत होगी। आपके भाग्य में तबदीली आएगी। आपको पुत्र संतान का सुख होगा। आपका पुत्र भाग्यशाली हो सकता है। आपकी संतान अच्छी और आज्ञाकारी होगी। आप आस्तिक होंगे, दूसरों की सहायता करते रहेंगे। आपके जीवन का 24वां वर्ष उत्तम फलदायी होगा। आपको दूसरे की सलाह लेने से बुरा असर हो सकता है।

यदि आपने ताया-चाचा से झगड़ा किया, साले के साथ कारोबार किया, भाई के साथ झगड़ा किया तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से पेशाब या गुप्तांग में रोग होगा। संतान नालायक होगी या संतान से दुःखी रहेंगे। आवारा घूमेंगे, भाइयों से दूर प्रदेश में जीवन व्यतीत करेंगे। भाई आपके शत्रु न बन जाएं, इस चिंता से दुःखी रहेंगे। आपके सगे संबंधी आपके दुःख के कारण हो सकते हैं। आप मरते दम तक चिंतित रहेंगे। आपका धन दीवानी मुकद्दमों में खर्च हो सकता है। साली से विवाद और पत्नी से मनमुटाव के कारण जुदाई हो सकती है। रीढ़ की हड्डी में रोग पैदा हो सकता है। जिस्म या हड्डी में दर्द या चोट की आशंका है। 24वां वर्ष संतान के लिए कष्ट कारक एवं भाग्य के लिए सुस्त रहेगा। आपको रक्तदोष या शरीर में फोड़े-फुंसी की शिकायत रह सकती है। ससुराल और भाई का हाल अच्छा नहीं रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. आवाय न घूमें ।
2. भाई से दूरी हानिकारक है ।

उपाय :

1. कानों में ननतियां पहनें ।
2. शरीर पर सोना पहनें ।



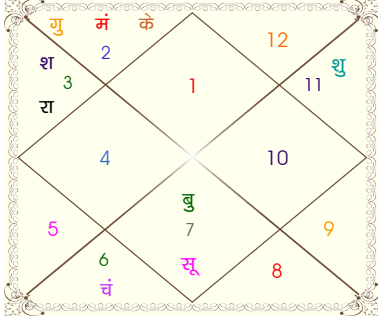
FUTUREPOINT
Astro Solutions



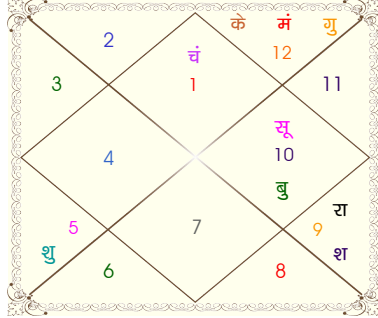
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

लाल किताब - वर्ष कुंडली

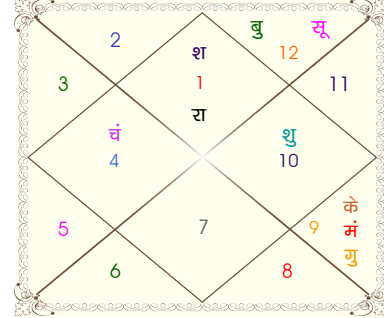
2025



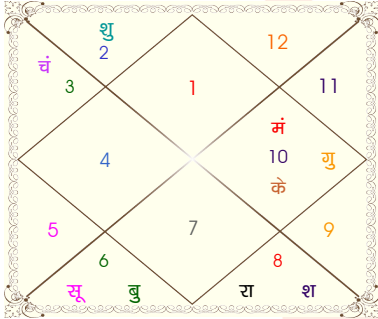
2026



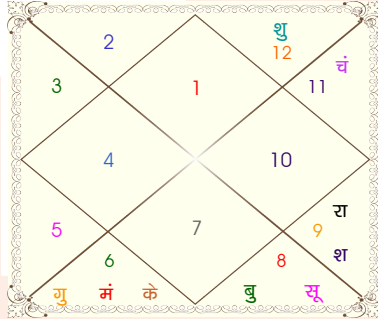
2027



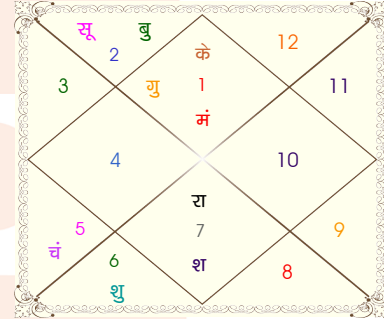
2028



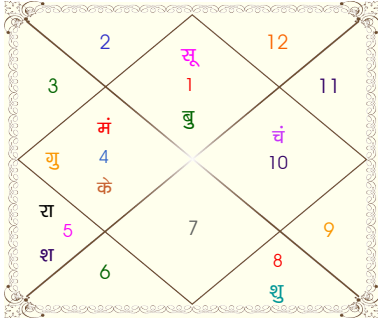
2029



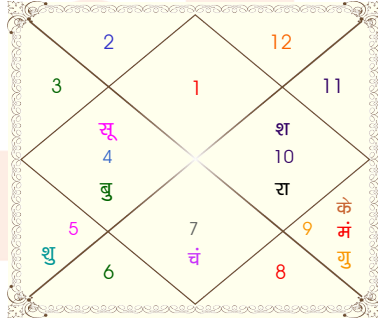
2030



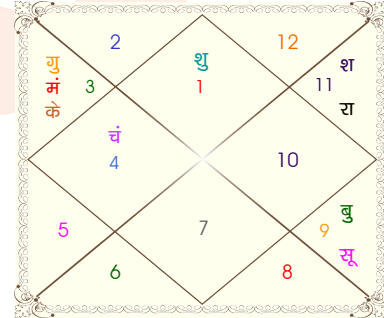
2031



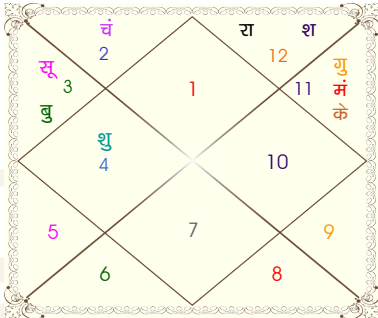
2032



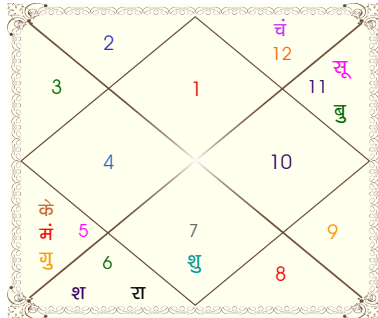
2033



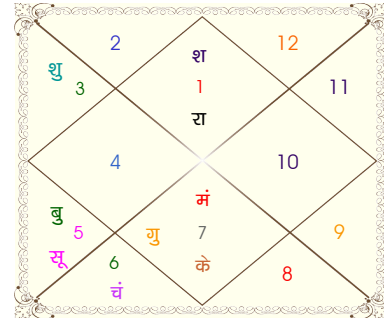
2034



2035



2036



लाल किताब वर्षफल 2025-2026

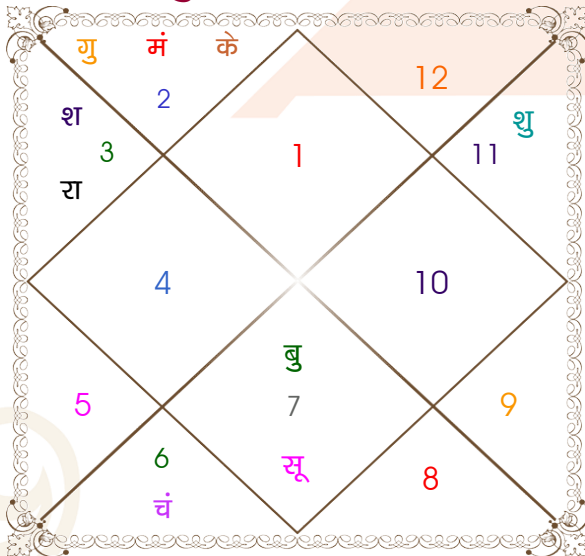
वर्तमान आयु - 58
वर्तमान दशा - सूर्य

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	हाँ	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	मन्दा
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	--	--	मन्दा

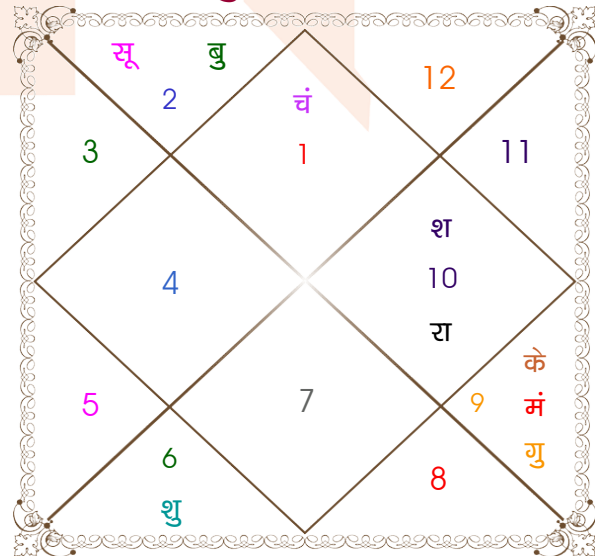
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	--	हाँ	हाँ	--	--	हाँ	--	हाँ	--	हाँ

वर्ष कुंडली 2025 - 2026



वर्ष चन्द्र कुंडली 2025 - 2026



लाल किताब वर्षफल 2025-2026

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी माता-पिता की हालत में सुधार होगा आपकी गिनती एक सम्मानित व्यक्तियों में होगी। कारोबार और परिवार में तरक्की होगी, भागीदारी के कामों में लाभ मिलेगा। ज्योतिष या कर्मकांड में रुचि रहेगी। कष्ट के समय आप अपने परिवार में रहेंगे जिससे आपके कष्टों का निवारण हो जाएगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. अगर दुकानदारी या प्राइवेट नौकरी करते हैं तो मिजाज गर्म न रखें।
2. सरकारी अधिकारी हैं तो गर्म मिजाज रखें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 6 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी माता को शरीर कष्ट रहेगा। आप के परिवार को माता की चिंता रहेगी या विद्या संबंधी परेशानी भी आ सकती है। आम जनता के लिये पानी पिलाने का पानी का स्रोत लगाना, आपको और आपकी संतान को कष्ट तथा परेशानी ही देगा। बिना सोचे-समझे किये गये कामों में आपको परेशानी उठानी पड़ सकती है, समझदारी से काम लें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चंद्र ग्रहण के मध्य काल में 4 सूखे नारियल (बजने वाले) जल प्रवाह करें।
2. माता को कष्ट हो तो खरगोश पालें।
3. नाश्ते में कच्चा पनीर खायें। रात्रि समय (सूर्यास्त से सूर्योदय तक) दूध न पीयें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 2 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष संघर्ष करना पड़ेगा। आपका बड़ा भाई अगर है तो उसको हानि/कष्ट होगा या उससे जुदाई हो सकती है। भाई-बंधुओं से धोखा ठगी करने से आपका पतन हो सकता है। अगर आप परिवार का पालन पोषण नहीं करेंगे तो आपको धन हानि और शारीरिक कष्ट, विवाह/गृहस्थ जीवन में परेशानी झेलनी पड़ सकती है।

मंगल की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. बड़ा भाई हो तो लाल रुमाल पास रखें।

2. नाश्ते में मीठा भोजन करें।
3. बच्चों को दोपहर के समय (3 बजे से 5 बजे) भुने गेहूँ को गुड़ लगा कर बांटे।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष परिवार में सम्मान मिलेगा, विदेश यात्रा या विदेश से लाभ का योग है। स्त्रियों से सम्बन्धित कामों से या पत्नी से लाभ मिलेगा। कपड़े, डाक्टरी के कामों से अधिक लाभ मिल सकता है। आपकी कलम में तलवार से भी अधिक ताकत होगी। बेटी-बहन, बुआ-साली से लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना सींग वाली गाय या बकरी घर में न रखें।
2. हरी घास घर में न लगावें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अचानक धन लाभ मिल सकता है। आपको कुछ भी होने वाला हो उसकी खबर पहले हो जाएगी, शिशा और ज्ञान से लोगों का मार्ग दर्शन कराएंगे। आपके सभी कार्य अपने आप बनते चले जाएंगे मगर आपको व्यर्थ की चिंता रहेगी। स्त्री और शासन या सरकारी विभाग की तरफ से लाभ मिल सकता है।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सर्राफी या जौहरी का काम न करें।
2. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष कन्या संतान का सुख मिल सकता है। आप अकारण पैसे के पीछे भागते रहेंगे। आपमें अच्छे गुण बढ़ेंगे मगर आपकी गुप्त कार्य करने की आदत हो जाएगी। विचारधारा को शीघ्र बदल देंगे, ससुराल पा के लोग सहायक होंगे। बहन-साली से भी लाभ मिलेगा स्त्री आपके कार्यों में साथ निभायेगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. माता/पत्नी को घर की खजांची न बनाएं।
2. नौकरी-व्यापार में बार-बार बदला-बदली न करें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके हाथों से खर्च अधिक होगा या धन की कमी रहेगी। आप सबकी मदद करेंगे मगर लोग आपका कार्य बिगाड़ सकते हैं। लोहा, मशीनरी से संबंधित कार्यो से लाभ होगा। आप साहसपूर्ण कार्य करेंगे जिसके कारण आपको जोखिम भी उठाना पड़ सकता है।

शनि की शुभता बढ़ाने निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. मछली का शिकार न करें, मछली न खायें। शराब न पिये।
2. कीकर या बेरी का वृक्ष घर में न लगायें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके शत्रु आपके ऊपर हावी नहीं हो सकते, भविष्य में होने वाली घटना का आपको पहले पता चल जायेगा। आपकी कलम में तलवार से अधिक ताकत होगी, आपको उच्च पद या सम्मान प्राप्त होगा। नौकरी-व्यापार में खूब तरक्की होगी, खराब चाल-चलन से संतान की चिंता रहेगी।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हाथी दांत पास न रखें।
2. तीन-तीन हाथी के खिलौने घर में न रखें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 2 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष जुआ-सट्टा आदि के कामों में हानि होगी, आपकी कर्कशवाणी या जबान से निकला अपशब्द आपके मान-सम्मान को हानि पहुंचा सकता है। नौकरी-व्यापार में या जीवन में उतार-चढ़ाव भी आ सकता है। तबदीली हो सकती है मगर तरक्की की शर्त नहीं है। खराब चाल-चलन संतान सुख न देगा।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. कन्याओं (9 वर्ष से छोटी लड़कियों) की सेवा करें।
2. स्त्रियों की सेवा करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 6 दिन नाश्ते में कच्चा पनीर खावें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

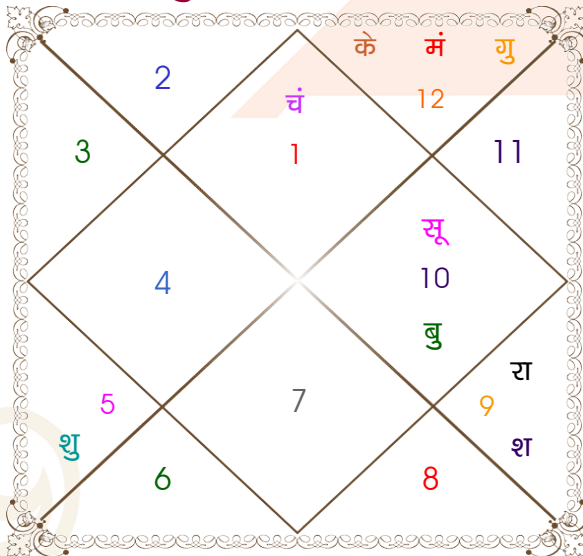
वर्तमान आयु - 59
वर्तमान दशा - सूर्य

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	हाँ	--	नेक
मंगल	--	--	--	मन्दा
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	मन्दा

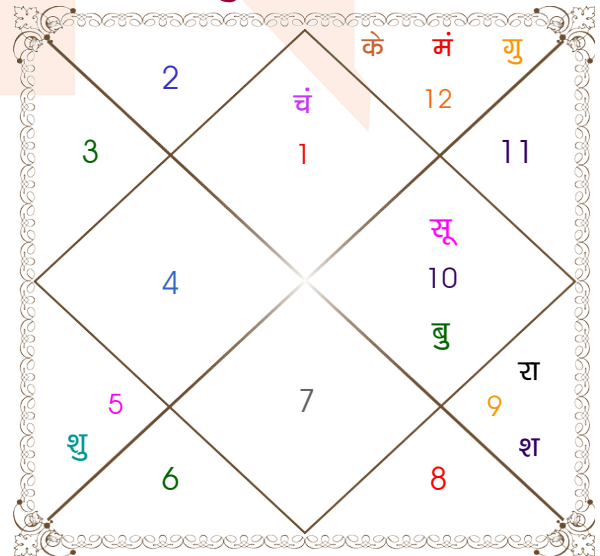
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	हाँ	हाँ	हाँ	--	हाँ	--	हाँ	--	--	हाँ	--

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आप अपना भेद किसी को न बतायें आपका भेदी ही आपको तबाह करने की कोशिश कर सकता है, मशीनरी, लकड़ी के कामों में हानि हो सकती है। कोयला-बिजली के कामों में अधिक लाभ नहीं मिलेगा। पिता का सुख कम या पिता से लाभ न मिलेगा। आंखों में कष्ट का भय है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. पैतृक मकान में हैंड पंप लगावें।
2. सिर पर सफेद-शरबती, टोपी पहनें या पगड़ी/स्कार्फ बांधें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सुंदर और सफेद कपड़े पहनने का शौक रहेगा, विद्या से लाभ, किसी की अमानत आपके पास रह सकती है माता-पिता की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, कभी यात्रा पर जायें तो यात्रा से वापस आकर माता के चरण स्पर्श करके आशीर्वाद लेने से लाभ होगा। परिवार में बहुत देर बाद किसी के पुत्र संतान होगी।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक और अनैतिक संबंध न रखें।
2. माता या माता समान स्त्री से झगड़ा न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष नमकीन चीजों का अधिक शौक ठीक नहीं रहेगा। वैवाहिक जीवन की चिंता, आपके बारे में झूठी अफवाहें फैल सकती हैं। बुरी संगति आपको नीच कार्य करवा सकती है। जिसके कारण आप जीरो हो सकते हैं। अगर आपका बड़ा भाई हो तो उससे जुदाई हो सकती है। या आपके दिमाग में अन्ट-सन्ट की सोच आ सकती है।

मंगल की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. नाश्ते में दूध वाला हलुवा या चीनी की रोटी खावें।
2. सुबह उठते ही शहद खावें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विदेश यात्रा या विदेश से सम्बन्धित कामों से लाभ मिलेगा, बुआ, बेटी, साली, बहन की तरफ से खुशी मिलेगी। आप लोगों से व्यवहार कुशल, खुशामद और नीति के द्वारा सब काम निकलेंगे, अनेक विद्याओं में रुचि, आपके परिवार की और आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी हो जाएगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हरा रंग निषेध
2. तुलसी, मनी प्लांट आदि चौड़े पत्तों के पेड़-पौधे घर पर न लगावें।
3. शराब आदि न पियें। मछली न खायें और मछली का शिकार न करें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको धन से अधिक लगाव नहीं होगा। ध्यान-समाधि लगाने से धन की वर्षा होगी। आपका आशीर्वाद लेने वाला तर जाएगा और आपको सताने वाल बर्बाद हो जाएगा। खर्च अधिक जो परिवार के शुभ कामों पर होगा। त्याग की भावना भी आपके मन में रहेगी। आपको किसी का दुर्वचन नहीं लगेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. ऐसे काम न करें जिससे आपका विरोध हो।
2. किसी से धोखा-फरेब न करें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सफेद वस्तुओं से अधिक प्रेम रहेगा। आप अपने देश और जाति से प्रेम करेंगे, माता-पिता का कहना मानेंगे। दुनियावी बातों से अपने को मुक्त रखेंगे। पत्नी वफादार होगी, पत्नी के साथ अच्छे संबंध रखेंगे परंतु किसी चीज का अभाव नहीं होगा और कारोबार में रुकावट नहीं आयेगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. स्त्रियों के रसिया न बनें।
2. प्रेम विवाह या अंतर्जातीय विवाह या माता-पिता की इच्छा के विरुद्ध विवाह न करें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके मन में परोपकार की भावना रहेगी, भाई-बंधुओं का सहयोग मिलेगा। कर्ज का बोझ आप में नहीं रहेगा। पैसे के प्रति आप की दौड़ नहीं रहेगी। पत्नी के नाम पर काम शुरू करने से लाभ होगा, मकान-वाहन का सुख मिलेगा। तीसरा रिहाइशी मकान न बनावें वरना स्वास्थ्य को खतरा होगा।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. दूसरों के माल पर बदनीयत न रखें।
2. घर की छत पर ईधन-चौगाठ आदि न रखें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पुलिस/कोर्ट का भय या चोरी का माल खरीदने का लांछन लग सकता है। पिता और ससुर के कष्ट या उनके द्वारा आपको हानि का भय है। साधू-फकीर का साथ फिजूल खर्ची ही बढ़ायेगा। तीर्थ यात्रा में रुकावट आ सकती है। धार्मिक कामों में रुचि रहेगी जो आपके लिये ठीक नहीं।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शरीर पर शुद्ध सोना कायम करें।
2. धर्म मंदिर में सिर झुकावें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 12 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष भाई-बंधुओं से झगड़ा करना और समाज विरोधी कार्य करना ठीक नहीं, आवारा घूमने से आपकी तरक्की में रुकावट पैदा होगी, संतान का मंदा हाल होगा ऐसी आशंका है। कुत्ते के काटने का भय या आपके द्वारा कुत्ता मारा जाना आपके लिए और सेतान के लिए हानिकारक है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें

उपाय :

1. घर में काला-सफेद कुत्ता पालें या काले-सफेद कुत्ते को कम मीठे की रोटी खिलायें।
2. जीजा, साला और दोहता की सेवा करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 43 दिन सिर पर सफेद-शरबती टोपी/पगड़ी/रुमाल/स्कार्फ से ढाप कर रखें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।
2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।
3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।
4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।
5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।
6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर दें।
7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।
8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।
9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें।
10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये।
11. बुजुर्गों के रीति-रिवाजों को न तोड़ें और संस्कार पूरे करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

